डॉ. के. श्रीनिवासराव
सचिव
Dr. K. Sreenivasarao
Secretary

साहित्य अकादेमी
(राष्ट्रीय साहित्य संस्थान)
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था
Sahitya Akademi
(National Academy of Letters)
An Autonomous Organisation of Government of India, Ministry of Culture

सा. अका./100

8 मई 2024

शोक संदेश

मशहूर उर्दू अदीब कथाकार, अनुवादक और शिक्षाविद्, शेख़ अब्दुस्सलाम अब्दुर्रज़्ज़ाक का लंबी बीमारी के बाद 7 मई 2024 को नवी मुंबई में उनके आवास पर निधन हो गया। साहित्य जगत् में वह सलाम बिन रज़्ज़ाक नाम से मशहूर थे। श्री रज़्ज़ाक को वर्ष 2004 में उनकी बेहतरीन किताब 'शिकस्ता बुतों के दरम्यान' के लिए साहित्य अकादेमी पुरस्कार से नवाज़ा गया था। 1941 में रायगढ़ ज़िले के पनवेल में पैदा हुए रज़्ज़ाक साहब ने आम जनता की कठिनाइयों और दुखों को गहराई से समझा और लफ़्ज़ों में ढाला है। उनकी काबिलियत उनकी नज़्म, नस्र और अनुवाद कार्यों में झलकती है।

सलाम बिन रज़्ज़ाक की कुछ प्रमुख साहित्यिक कृतियों में 'नंगी दोपहर का सिपाही', 'मोअब्बिर' और 'ज़िंदगी अफ़साना नहीं' आदि शामिल हैं। उनकी 'अंजामकार', 'आँधी में चिराग़', 'बिजूका', 'मस्तूल', 'मसीहा', 'दूसरी हत्या' जैसी कहानियाँ, उनके चरित्र, उनमें रचा गया वातावरण– चमकती हुई मायानगरी के बैकयार्ड 'कसाईवाड़ा' को ही उभारते हैं। एक बेरंग और उदास बैकयार्ड, जिसमें घूमते हुए लगता है कि वहाँ पर शहरी सभ्यता का मलबा बिखरा पड़ा है। छह दशक से ज़्यादा के अपने लंबे साहित्यिक कार्यजीवन में रज़्ज़ाक साहब को ग़ालिब पुरस्कार, महाराष्ट्र उर्दू साहित्य अकादमी पुरस्कार और कई दूसरे सम्मानों से अलंकृत किया गया था।

श्री सलाम बिन रज़्ज़ाक के निधन से उर्दू ही नहीं बल्कि पूरे साहित्यिक जगत् की अपूरणीय क्षति हुई है। साहित्य अकादेमी दिवंगत आत्मा के प्रति अपनी विनम्र श्रद्धांजलि निवेदित करती है।

(के. श्रीनिवासराव)

रवींद्र भवन, 35 फ़ीरोज़शाह मार्ग, नई दिल्ली-110 001, दूरभाष : +91-11-2338 7064, 2307 3002, फैक्स : +91-11-2338 2428
Rabindra Bhavan, 35 Ferozeshah Road, New Delhi-110 001, Phone: +91-11-2338 7064, 2307 3002, Fax +91-11-2338 2428
E-mail: secretary@sahitya-akademi.gov.in, Website: http//www.sahitya-akademi.gov.in